खबर संक्षेप

शहडोल के प्रथम कुलपति को मिली बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी



शहडोल। क्षेत्र के प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति प्रो. डॉ. मुकेश कुमार तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल का मान बढ़ाया है। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा उन्हें कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में गैर-सरकारी निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत यह नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि अथवा आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से लागू की गई है।विश्वविद्यालय की स्थापना के समय अगस्त 2017 में डॉ. तिवारी ने प्रथम कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। पांच वर्षों के अपने सफल कार्यकाल के दौरान उन्होंने नवगठित विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक नींव को मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। वर्ष 2022 में अपना कार्यकाल पूर्ण करने वाले डॉ. तिवारी अब शिक्षा जगत के अपने लंबे अनुभव का उपयोग देश के एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम के संचालन में करेंगे।इस नई जिम्मेदारी के अंतर्गत डॉ. तिवारी कोंकण रेलवे के सर्वोच्च प्रशासनिक बोर्ड में शामिल होकर महत्वपूर्ण नीतिगत दिशानिर्देशों, कॉरपोरेट प्रबंधन और जनहित से जुड़े निर्णयों में अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। शहडोल की माटी से जुड़े एक शीर्ष शिक्षाविद् का केंद्र सरकार के अधीन रेलवे की इतनी महत्वपूर्ण संस्था में निदेशक पद पर चयन होना पूरे जिले के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। शिक्षा क्षेत्र से निकलकर केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम में इस शीर्ष पद पर पहुँचना उनके वृहद प्रशासनिक अनुभव और सार्वजनिक जीवन की एक नई व स्वर्णिम शुरुआत माना जा रहा है। उनकी इस उपलब्धि पर स्थानीय प्रबुद्धजनों, प्राध्यापकों और गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

स्वर्गीय राजाराम अवस्थी की द्वितीय पुण्यतिथि पर होगा भंडारे का आयोजन



शहडोल। वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी स्व. राजाराम अवस्थी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पावन स्मृति में 08 अक्टूबर गुरुवार को दोपहर 12 बजे से राजाराम टाल, मेन रोड, शहडोल में भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। स्वर्गीय राजाराम अवस्थी ने अपने जीवनकाल में सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित यह भंडारा उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विनम्र प्रयास है। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने समस्त नगरवासियों एवं जिलेवासियों से आग्रह किया है कि वे भंडारे में सादर सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण करें तथा स्वर्गीय राजाराम अवस्थी की स्मृतियों को नमन करें।

जिला कांग्रेस की अहम संगठनात्मक बैठक संपन्न, संगठन मजबूती पर मंथन



शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष अजय अवस्थी के मुख्य आतिथ्य एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद साबिर के कुशल नेतृत्व में धनपुरी में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अजय अवस्थी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कांग्रेस की मुख्य ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। जनहित के मुद्दों पर पुरजोर संघर्ष और आपसी एकजुटता ही पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। बैठक में प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप सिंह, वरिष्ठ नेता बलमीत सिंह खनूजा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मुबारक मास्टर, उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद खंडेलवाल और ब्लॉक प्रभारी राजीव शर्मा सहित शीर्ष नेताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह, नगर प्रभारी शेखर चौधरी, हर्ष पाठक, जवाहर राव, अशोक सिंह, अनिल जायसवाल और ओंकार सिंह समेत दर्जनों प्रमुख पदाधिकारी एवं सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नकेल कसते ही बिलबिलाए रेत के 'सौदागर' सोन नदी पर छापा मारते ही मचा घमासान











टीम से बदसलूकी, आपस में भिड़े माफिया एक डंपर लेकर तस्कर फरार

शहडोल। प्रकृति के सीने पर बुल्डोजर और पोकलैंड चलाकर रातों-रात लखपति बनने का सपना देख रहे रेत माफियाओं के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसकी बानगी शहडोल जिले के बुढ़ार क्षेत्र में देखने को मिली। सोन नदी के पवित्र आंचल को छलनी कर अवैध कमाई का कुआं खोदने वाले इन सौदागरों पर जब खनिज विभाग का चाबुक चला, तो नदी के घाट पर संग्राम छिड़ गया। अलसुबह कार्रवाई करने पहुंचे प्रशासनिक अमले को न केवल भारी हंगामे और तीखी नौक-झोंक का सामना करना पड़ा, बल्कि कार्रवाई के डर से बौखलाए माफिया खुद आपस में ही भिड़ गए और एक-दूसरे के काले चि_ खोलने लगे। इसी धक्का-मुक्की, चीख-पुकार और अफरा-तफरी की आड़ लेकर एक शातिर तस्कर तो रेत से लदे पूरे डंपर को ही भगा ले गया। हालांकि, अमले ने घेराबंदी कर तीन वाहनों को दबोच लिया और बुढ़ार थाने के सुपुर्द कर दिया। वहीं जैतपुर क्षेत्र में जेसीबी चलाकर सैकड़ों घनमीटर अवैध रेत के टीलों को जमींदोज कर माफिया के मंसूबों पर पानी फेर दिया गया।

सुबह 5 बजे जब पहुंची टीम

तहसील बुढ़ार अंतर्गत ग्राम जरवाही स्थित सोन नदी के बटली घाट से पिछले चार दिनों से अवैध खनन की अनवरत शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। माफिया इतने बेखौफ हो चुके थे कि दिन-रात नदी की कोख से रेत का अवैध दोहन किया जा रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर के निर्देश एवं खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में बुधवार, 7 अक्टूबर को तडक़े 5 बजे सहायक खनिज अधिकारी के नेतृत्व में जांच दल ने बटली घाट पर अचानक दबिश दी। छापा पड़ते ही मौके पर मजमा लगा रहे तस्करों में हडक़ंप मच गया। मजदूर नदी से रेत निकालकर वाहनों में लाद रहे थे। जैसे ही प्रशासनिक वाहनों दिखे, घाट पर चीख-पुकार मच गई। जब अधिकारियों ने वाहनों को जब्त करना शुरू किया, तो माफियाओं ने सरकारी टीम से तू-तू, मैं-मैं शुरू कर दी। हद तो तब हो गई जब कार्रवाई से घबराए रेत कारोबारी खुद आपस में भिड़ गए और तूने मेरी शिकायत की, मैंने तेरी के तर्ज पर एक-दूसरे पर गंभीर आरोप मढऩे लगे।

हंगामे की आड़ में डग्गी लेकर भाग निकला तस्कर

माफियाओं द्वारा फैलाए गए इस अराजक माहौल और ड्रामे का फायदा उठाकर जरवाही निवासी विक्की यादव पिता किशोर यादव रेत से लदा डंपर लेकर मौके से रफूचक्कर हो गया। अचानक हुई इस घटना से प्रशासनिक अधिकारी भी अवाक रह गए। हालांकि, सतर्क टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन स्वामी पवन साहू, प्रकाश साहू, सागर कुशवाहा निवासी जरवाही के वाहनों के तीन वाहनों को जब्त कर लिया गया। तीनों जब्त डंपरों को बुढ़ार पुलिस थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है।

फरार तस्कर पर शासकीय कार्य में बाधा का मामला

मौके से वाहन लेकर फरार हुए विक्की यादव के खिलाफ शासकीय कार्य में व्यवधान डालने और खनिज के अवैध दोहन के आरोप में बुढ़ार थाने में पृथक से प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। खनिज विभाग द्वारा सभी आरोपी वाहन मालिकों के विरुद्ध अवैध खनन एवं परिवहन का प्रकरण तैयार कर अग्रिम दंडात्मक कार्रवाई हेतु मामला जिला न्यायालय शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

330 घनमीटर रेत पर चला जेसीबी का पंजा

केवल बुढ़ार ही नहीं, बल्कि जैतपुर तहसील क्षेत्र में भी रेत माफियाओं ने जगह-जगह अवैध भंडारण के पहाड़ खड़े कर रखे थे। मंगलवार, 6 अक्टूबर को खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। ग्राम कमता में डंप किए गए 150 घनमीटर और ग्राम लुकामपुर में तीन अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए 180 घनमीटर—कुल मिलाकर 330 घनमीटर अवैध रेत के विशालकाय टीलों पर जेसीबी चलवाकर उसे पूरी तरह विनिष्ट कर दिया गया।

कागजी कार्रवाई या जड़ से मिटेगा अवैध कारोबार

नदियों के प्राकृतिक स्वरूप को नष्ट कर करोड़ों का वारे-न्यारे करने वाले इन माफियाओं पर इस कार्रवाई से हडक़ंप तो मच गया है, लेकिन बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या केवल एक-दो गाडिय़ों की जब्ती और टीलों के विनिष्टीकरण से इस तंत्र पर स्थायी अंकुश लग पाएगा? जब तस्कर अधिकारियों के सामने से वाहन भगा ले जाने का दुस्साहस कर रहे हैं, तो इससे स्पष्ट है कि उनके दिल में कानून का खौफ किस कदर खत्म हो चुका है। अब देखना यह होगा कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी और न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद यह कार्रवाई क्या नजीर पेश करती है, या फिर कुछ दिनों की खामोशी के बाद सोन नदी के घाटों पर फिर वही काला खेल शुरू हो जाएगा।

इनका कहना है...

बुढार के जरवाही बटली घाट में रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन की सूचना पर दबिश दी थी, जहां से 4 डग्गी अवैध रेत लोड गाडिय़ा जप्त की थी, इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर एक डग्गी फरार हो गया, रही बात कोई बहसवाजी की तो, हमारे साथ बहस नहीं हुई है, बल्कि वह आपस में जरूर भीड़ गए थे।

अभिषेक पटेल खनिज निरीक्षक
शहडोल

एकलव्य छात्रावास के विद्यार्थियों का फूटा गुस्सा दीवार लांघकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ाया कदम



शहडोल। देश के बड़े महानगरों में चल रहे छात्र आंदोलनों की तर्ज पर अब जिले में भी विद्यार्थियों का असंतोष सडक़ों पर दिखाई देने लगा है। जैतपुर क्षेत्र के बिरौड़ी स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (छात्रावास) के लगभग 150 छात्र प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से तंग आकर छात्रावास की ऊंची बाउंड्री वॉल लांघकर बाहर निकल आए। अपनी मांगों को लेकर दृढ़ संकल्पित ये छात्र लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित जिला मुख्यालय में से सीधी वार्ता करने के उद्देश्य से पैदल ही यात्रा पर निकल पड़े। घटनाक्रम यही नहीं रुका, छात्रों के इस कदम के तुरंत बाद छात्रावास की छात्राओं का धैर्य भी जवाब दे गया। छात्राओं ने भी परिसर की दीवार लांघकर विरोध प्रदर्शन में सहभागिता की और लगभग 5 किलोमीटर पैदल चलकर कुटरी गांव तक जा पहुंचीं। एक साथ इतने बड़े पैमाने पर छात्र-छात्राओं का सडक़ों पर उतरना स्थानीय व जिला प्रशासन के लिए हडक़ंप का कारण बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा प्रशासनिक दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों को समझाने और बसों व वाहनों के माध्यम से वापस छात्रावास भेजने का भरपूर प्रयास किया। प्रशासनिक अमला छात्रों के पीछे-पीछे चलता रहा, परंतु विद्यार्थी किसी भी अधीनस्थ अधिकारी से बात करने को तैयार नहीं हुए। लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करने के दौरान छात्र केवल एक ही बात पर अड़े रहे कि वे अपनी व्यथा केवल और केवल कलेक्टर के समक्ष ही प्रस्तुत करेंगे।

वार्ता के दौरान विद्यार्थियों ने छात्रावास की दयनीय स्थिति की पोल खोलकर रख दी। छात्रों का कहना है कि छात्रावास में पठन-पाठन हेतु पुस्तकों की कमी है, भोजन की गुणवत्ता अत्यंत निम्न स्तर की है तथा खेल मैदान एवं सभागार (ऑडिटोरियम) जैसी बुनियादी सुविधाओं का नितांत अभाव है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत मोबाइल फोन जब्त किए जाने और अनुचित व्यवहार को लेकर भी विद्यार्थियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों ने दूरभाष के उपयोग से जुड़े प्रकरण की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

वार्ता के दौरान अधिकारियों के साथ हुई धक्का-मुक्की पर सहायक आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की, किंतु इस पूरी घटना ने जनजातीय छात्रावासों की आंतरिक व्यवस्था और निगरानी तंत्र की विफलता को उजागर कर दिया है। यह पहली बार नहीं है जब जिले में छात्रावास के विद्यार्थी अपनी समस्याओं को लेकर सडक़ों पर उतरने को मजबूर हुए हों। पूर्व में भी विभिन्न छात्रावासों के बच्चों द्वारा इसी प्रकार पैदल मार्च करने के मामले सामने आ चुके हैं। यदि समय रहते विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान छात्रावास स्तर पर ही कर दिया जाता, तो नौनिहालों को इस प्रकार जोखिम उठाकर सडक़ों पर नहीं उतरना पड़ता। फिलहाल इस घटना के बाद जिला प्रशासन में हडक़ंप की स्थिति है और छात्रावास प्रबंधन की भूमिका पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

अभाविप ने महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन, उग्र आंदोलन की चेतावनी



शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय से संबद्ध अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में शैक्षणिक अराजकता और मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मोर्चा खोल दिया है। छात्र संगठन ने महाविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्राचार्य को सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और परिसर की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की।

अभाविप नेताओं ने महाविद्यालय की बदहाली को रेखांकित करते हुए कहा कि संस्थान में लगभग दो हजार छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन इतने बड़े छात्रबल के बावजूद आज तक गल्र्स कॉमन रूम का निर्माण नहीं कराया गया। इसके साथ ही पर्याप्त प्रसाधन गृह (गल्र्स वॉशरूम) न होने से छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। संगठन ने लाइब्रेरी का प्रभार नियमित ग्रंथपाल को सौंपने की मांग की ताकि विद्यार्थियों को समय पर अध्ययन सामग्री मिल सके।

ज्ञापन में उजागर किया गया कि महाविद्यालय में पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर उपलब्ध होने के बाद भी छात्र-छात्राओं को प्रयोगशाला में जाने नहीं दिया जा रहा है। पर्याप्त प्राध्यापक होने के बाद भी नियमित कक्षाओं का संचालन ठप्प है। अभाविप ने मांग की है कि सभी विभागों की नियमित कक्षाएं शुरू की जाएं और समय-सारणी को प्राध्यापकों के नाम व दूरभाष क्रमांक के साथ सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जाए। विश्वविद्यालयीन कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए छात्र नेताओं ने कहा कि प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम अब तक जारी नहीं किया गया है। साथ ही प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को अंकसूची की मूल प्रति हस्तगत नहीं कराई गई है, जिससे वे अगली कक्षाओं में प्रवेश और छात्रवृत्ति संबंधी प्रक्रियाओं को लेकर असमंजस में हैं।<छात्र हितैषी मांगों के अंतर्गत परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से मुख्य द्वारों पर दूरदर्शन कैमरे (सीसीटीवी) लगाने, स्वच्छ पेयजल हेतु जल शीतलक (वाटर कूलर) स्थापित करने और परिसर में निःशुल्क बेतार इंटरनेट (वाई-फाई) सेवा प्रारंभ करने की मांग उठाई गई। अभाविप ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का ठोस निराकरण नहीं किया गया, तो संगठन छात्रहित में वृहद आंदोलन के लिए बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपते समय अभाविप के जिला संयोजक अमन त्रिपाठी, आकाश गुप्ता, आशीष गुप्ता, सौरभ सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेवा ज्योति यात्रा के तहत टेक्निकल स्कूल परिसर में विकसित भारत संकल्प सभा सम्पन्न

प्रधानमंत्री ने भारत का नाम विश्व पटल पर किया गौरवान्वित: हिमाद्री





शहडोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के तहत टेक्निकल स्कूल परिसर में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की जनता के नाम संबोधन का लाइव प्रसारण उपस्थित जनसमुदाय द्वारा देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में विधायक जैतपुर विधानसभा क्षेत्र श्री जयसिंह मरावी, ब्यौहारी शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, नगरपालिका एवं नगर परिषदों के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जनसेवा के 25 वर्षों के कार्यकाल में देश को नई दिशा एवं नई पहचान देने का कार्य किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। आज पूरा विश्व भारत को आशा एवं उम्मीद भरी नजरों से देखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच एवं नेतृत्व क्षमता का प्रभाव देश के विकास के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने उजबेकिस्तान की यात्रा के दौरान संसदीय दल में शामिल होने के अपने संस्मरण भी साझा किए। उन्होंने बताया कि विदेश यात्रा के दौरान भारत के प्रति लोगों के सम्मान एवं विश्वास को अनुभव करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का परिचायक है। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि सेवा ज्योति संकल्प यात्रा का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम छोर तक पहुंचकर प्रत्येक व्यक्ति की सेवा करना तथा उसे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के माध्यम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि हमें राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तन-मन-प्राण से सहभागी बनना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से संभव होगा। समाज के प्रत्येक वर्ग को देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की जनता को दिए गए संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में सेवा, समर्पण, राष्ट्र प्रथम तथा विकसित भारत के संकल्प को लेकर उपस्थित जनसमुदाय ने सहभागिता की। सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के माध्यम से जनसेवा, जनभागीदारी एवं शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडऩे के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

पंचायत मैं चलाता हूं, तुम्हें थाने में हिसाब दूंगा!

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बंधवाबाड़ा में नल-जल योजना विकास का जरिया बनने के बजाय भ्रष्टाचार, तानाशाही और अवैध वसूली का अखाड़ा बन चुकी है। पिछले चार सालों से नल-जल योजना के नाम पर ग्रामीणों की जेब से लाखों रुपये ऐंठ लिए गए, लेकिन गांव में पानी की एक बूंद तक मयस्सर नहीं हो रही है। हालत यह है कि बिजली का बकाया बिल जमा न होने के कारण योजना बंद पड़ी है, पर जब कोई जागरूक नागरिक जनता की भलाई और पारदर्शी हिसाब के लिए आवाज उठाता है, तो उसे थाने भिजवाने और झूठी शिकायतों में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं।

4 साल की वसूली गायब-ग्राम बंधवाबाड़ा के निवासी मुरलीधर द्विवेदी ने कलेक्टर के समक्ष शिकायती आवेदन सौंपकर पंचायत के जिम्मेदार कर्ता-धर्ताओं की पोल खोलकर रख दी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, गत 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभा में जब वे पंचायत भवन पहुंचे, तो वहां जनता नदारद थी और पंच राम सुंदर पाण्डेय मजे से सो रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि विगत 4 वर्षों से नल-जल योजना के नाम पर वसूली गई 5 से 6 लाख रुपये की राशि कहां गई और उससे बिजली का बकाया बिल जमा क्यों नहीं कराया जा रहा ताकि गांव वालों को पानी मिल सके, तो पंच भडक़ उठे।

हिसाब मांगने से बौखलाए पंच राम सुंदर पाण्डेय ने धमकी भरे लहजे में कहा पंचायत मैं चलाता हूं! अब तुम्हें थाने में बताऊंगा कि वसूली की राशि कहां है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंच राम सुंदर खुद घर-घर जाकर जबरन नल-जल योजना का शुल्क वसूलते हैं और पैसा न देने पर कनेक्शन काटने की धमकी देते हैं। पंचायत भवन से लेकर मरम्मत और रख-रखाव के नाम पर लाखों रुपये ठिकाने लगा दिए गए, लेकिन जब आय-व्यय का ब्योरा मांगा जाता है, तो जनपद पंचायत जाने और पुलिस कार्रवाई कराने का खौफ दिखाया जाता है। बंधवाबाड़ा पंचायत में धांधली का आलम यह है कि सच बोलने की सजा में फर्जी नोटिस जारी करवा दिए जाते हैं। पीड़ित नागरिक द्वारा हिसाब मांगने पर 25 सितंबर को ऑपरेटर के माध्यम से जनपद पंचायत सोहागपुर में झूठी शिकायत दर्ज करा दी गई कि नागरिक पानी का पैसा देने से लोगों को रोक रहा है। हद तो तब हो गई जब मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर ने भी बिना पीड़ित का पक्ष सुने या जमीनी जांच किए आनन-फानन में 30 सितंबर को नोटिस जारी कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच, सचिव और पंच की तिकड़ी मिलकर पूरे पंचायत तंत्र को ताक पर रखकर मनमानी कर रही है। यदि इस पंचायत के पिछले चार सालों के निर्माण कार्यों, मरम्मत मद और नल-जल वसूली की सूक्ष्मता से निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो घोटाला उजागर होना तय है।

खबर संक्षेप

जनगणना के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण संपन्न



उमरिया। जनगणना 2027 के व्दितीय चरणके तहत जिले के जनगणना अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ । कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिला पंचायत सभागार में जनगणना कार्य में संलग्न कर्मियों को गणना ब्लाक के गठन, उप गणना ब्लाक बनाने एवं अतिरिक्त कर्मियों की आवश्यकता सहित उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाईश दी गई। राज्य स्तर से नियुक्त प्रशिक्षक अजय रजावत एवं महेंद्र यादव ने स्व गणना के विकल्प का प्रयोग करते हुए परिवार के सदस्य की सूचना पोर्टल के माध्यम से भरे जाने के संबंध में प्रशिक्षण दिया । इस दौरान बताया गया कि जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से सामाजिक, आर्थिक,शैक्षणिक एवं प्रवास सहित 40 सवाल पूछे जाएगे , जिसे प्रगणक घर घर जाकर मोबाइल एप के माध्यम से एकत्रित करेंगे । प्रशिक्षण में प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित चार्ज अधिकारी एवं अतिरिक्त चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना खदान के वेण्डर ने आपूर्ति की लाखों की मुरूम

कागजों में विकास' की गंगा!

मानपुर। मानपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भोलगढ़ में विकास के नाम पर एक नया जादू का खेल सामने आया है, जहां बिना किसी स्वीकृत खदान के लाखों रुपये की मुरूम हवा-हवाई तरीके से ज़मीन पर बिछा दी गई। कागज़ों पर विकास का चमकदार खाका खींचा गया, 14 अप्रैल 2026 को पंचम वित्त आयोग की योजना से हाई स्कूल ग्राउंड निर्माण के लिए 7 लाख 23 हजार रुपये की राशि स्वीकृत हुई, और देखते ही देखते विकास कार्य सरपट दौडऩे लगा, लेकिन इस पूरी कहानी में सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब ग्राउंड में बिछाने के लिए लाखों रुपये की मुरूम खरीदी का बिल पेश किया गया।



भोलगढ़ हाई स्कूल ग्राउंड निर्माण में लीपापोती

इस निर्माण कार्य के लिए मानपुर की एक निजी फर्म प्रताप एसोसिएट्स संचालक सुमन द्विवेदी से लाखों रुपये की मुरूम की आपूर्ति दर्शायी गई है। सवाल यह उठता है कि जब पूरे जिले में मुरूम उत्खनन के लिए कोई वैध या स्वीकृत सरकारी खदान ही अस्तित्व में नहीं है, तो आखिर इस फर्म ने जादुई चिराग घिसकर रातों-रात इतनी भारी मात्रा में मुरूम कहाँ से प्रकट कर दी? क्या यह माना जाए कि बिना प्रशासनिक अनुमति और रॉयल्टी चुकाए, प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन कर सीनाजोरी से पंचायत को सप्लाई कर दिया गया? यदि खनिज विभाग एवं पंचायत प्रशासन की फाइलों में इस आपूर्ति हेतु किसी वैध उत्खनन या परिवहन अनुमति का रिकॉर्ड दर्ज नहीं है, तो सीधे तौर पर यह अवैध उत्खनन एवं बिना रॉयल्टी के संसाधनों



की संदिग्ध आपूर्ति का गंभीर मामला बनता दिखता है। जनचर्चा है कि अगर जनपद एवं खनिज विभाग के आला अधिकारी निष्पक्षता से इस कागज़ी खेल की परतें उघाड़ें, तो आपूर्ति की आड़ में चल रहे इस कथित उत्खनन-सिंडिकेट का सच सबके सामने आ सकता है।

तो क्या हो सकती है विधिक कार्रवाई

खनिज नियमों के जानकारों की मानें तो यदि मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच होती है और आपूर्ति अवैध उत्खनन या बिना वैध ट्रांजिट पास के सिद्ध होती है, तो संबंधितों पर बिना वैध लीज या खनिज विभाग की पूर्व अनुमति/रॉयल्टी पर्ची के मुरूम या किसी भी गौण खनिज का उत्खनन और परिवहन करना अवैध खनन की श्रेणी में आता है। नियमानुसार, अवैध रूप से निकाले गए खनिज के बाज़ार मूल्य का कई गुना जुर्माना ठोका जा सकता है तथा वाहन व सामग्री ज़ब्त करने की सख्त कार्रवाई हो सकती है।

सरकारी राजस्व क्षति एवं धोखाधड़ी



यदि फर्जी या बिना रॉयल्टी वाले बिलों के आधार पर शासकीय खजाने से राशि का भुगतान प्राप्त किया गया है, तो यह शासन के साथ वित्तीय धोखाधड़ी का विषय बनता है। इसमें संबंधित सप्लायर/फर्म एवं संलिप्त पाए जाने वाले जवाबदेहों पर वित्तीय अनियमितता की धाराओं के तहत कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ब्लैकलिस्टिंग एवं रिकवरी

सरकारी निर्माण कार्यों में अनियमितता या अवैध सामग्री की आपूर्ति प्रमाणित होने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग संबंधित फर्म को भविष्य के निविदा कार्यों से प्रतिबंधित कर सकता है तथा वितरित की गई अवैध राशि की वसूली के आदेश जारी कर सकता है। फिलहाल, ग्रामीणों एवं जागरूक नागरिकों की निगाहें जनपद पंचायत और जिला खनिज विभाग की भूमिका पर टिकी हैं। देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस संदेहास्पद आपूर्ति पर विभागीय जांच का चाबुक चलाते हैं या फिर यह फाइल भी कागजी प्रक्रिया के ठंडे बस्ते में धूल फांकती नजऱ आएगी।

बांधवगढ़ में नियमों की धज्जियां

अपनों को पलकों पर बिठाया दूसरों पर मामूली देरी पर भी गिरी गाज

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व इन दिनों वन्यजीवों के दीदार से ज्यादा अपने अजीबो-गरीब कारनामों और कथित प्रशासनिक अंधेरगर्दी को लेकर सुर्खी में है। पार्क प्रबंधन की गाइड रोस्टर व्यवस्था पर अब पारदर्शिता के बजाय अंधेर नगरी, चौपट राजा की कहावत सटीक बैठ रही है। नियमों के डंडे से गाइडों को साधने का दावा करने वाला प्रबंधन अपनों पर मेहरबान है, जबकि आम गाइडों के लिए एक-एक मिनट की देरी भी उनके पेट पर लात मारने का जरिया बन चुकी है। ताजा मामला चिकित्सकीय रूप से अनफिट और अपात्र पाए गए गाइडों को दी जा रही वीआईपी रियायतों का है। पार्क के सूत्र बताते हैं कि जिन्हें डॉक्टर अनफिट घोषित कर चुके हैं, वे प्रशासनिक फिटनेस के बूते धड़ल्ले से जिप्सियों पर सवार हैं।



रोस्टर का हाल यह है कि खास गाइड सुबह की ड्यूटी में नदारद रहें, तब भी शाम की पाली में उनके लिए पलक-पावड़े बिछाकर नंबर तय कर दिया जाता है। इसके उलट, कोई आम या जरूरतमंद गाइड यदि मानवीय मजबूरी या ट्रैफिक के चलते महज एक मिनट भी लेट हो जाए, तो उसे सीधे गेट से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। यह दोहरा रवैया बयां कर रहा है कि नियम-कायदे सिर्फ सहने वालों के लिए हैं, साहबों के चहेतों के लिए नहीं है। अब इस व्यवस्थागत अंधेरगर्दी और पक्षपात के खिलाफ विस्थापित गांवों का जनाक्रोश फूट पड़ा है। बरसों से जल, जंगल और जमीन का त्याग कर विस्थापन का दर्द झेल रहे स्थानीय ग्रामीणों ने पारदर्शी व्यवस्था की आस छोड़ सीधे सीएम हेल्पलाइन का दरवाजा खटखटाया है।

ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराते हुए साफ लफ्जों में मांग की है कि अनफिट और कागजों में अपात्र घोषित किए गए गाइडों का पंजीयन तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए। पार्क में दशकों से चल रही रोस्टर की धांधली और चहेतों को फायदा पहुंचाने वाले घालमेल की निष्पक्ष जांच हो। विस्थापित गांवों के वास्तविक, पात्र और बेरोजगार युवाओं को गाइड के रूप में प्राथमिकता देकर रोजगार का हक दिया जाए।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की कार्यवाही जारी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी डा विद्याकांत तिवारी ने बताया कि गत दिनों एक ट्रेक्टर ट्राली एवं एक जेसीबी मशीन अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त पाए जाने पर जप्त की गई है। कार्यवाही के दौरान तहसील चंदिया अंतर्गत चंदिया से बांका रोड में एक वाहन ट्रेक्टर आयशर से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए जप्त किया जाकर थाना चंदिया कों सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार तहसील मानपुर अंतर्गत ग्राम बांधा हार स्थित एक जे.सी.बी. द्वारा खनिज मिट्टी/मुरुम का अवैध उत्खनन करते हुए जप्त किया जाकर थाना कोतवाली उमरिया में अभिरक्षार्थ सुपुर्द कराया गया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

कृमि-मुक्त मध्य प्रदेश की शपथ लेकर विद्यार्थियों ने किया एल्बेंडाजोल टेबलेट का सेवन

उमरिया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ गत दिवस शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उमरिया में विद्यार्थियों को कृमि-मुक्त मध्य प्रदेश की शपथ दिलाकर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में पात्र बच्चों, किशोर-किशोरियों एवं महिलाओं को कृमिनाशक दवा का सेवन कराकर कृमि संक्रमण से मुक्त रखना है।राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों तथा 20 से 49 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को छोडक़र, को एल्बेंडाजोल की कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी। जो पात्र हितग्राही किसी कारणवश दवा का सेवन करने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 9 अक्टूबर को मॉप अप दिवस के अवसर पर दवा का सेवन कराया जाएगा। इसका उद्देश्य यह



सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र हितग्राही कृमिनाशक दवा के सेवन से वंचित न रहे।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम का संयुक्त रूप से संचालन एवं पर्यवेक्षण किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला टीकाकरण अधिकारी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के विभिन्न पहलुओं, कृमिनाशन के लाभ तथा एल्बेंडाजोल की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्राचार्य सहित विद्यार्थियों ने कृमिनाशक दवा का सेवन किया।

महिला अधिवक्ता की शिकायत पर 15 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं, न्याय की आस में पीड़िता

अनूपपुर। महिला अधिवक्ता मनीषा अहिरवार द्वारा 22 सितंबर 2026 को थाना कोतमा में लिखित शिकायत राजेंद्र पिता शुक्लू रैदास निवासी वार्ड नंबर 7 के खिलाफ की गई शिकायत के करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार कोई कार्रवाई नहीं हुई

शिकायतकर्ता महिला अधिवक्ता का आरोप है कि शिकायत के बावजूद मामले में ठोस कार्रवाई नहीं होने से आरोपी के हौसले बढ़ रहे हैं और वह स्वयं मानसिक तनाव एवं प्रताड़ना से गुजर रही हैं। महिला अधिवक्ता के अनुसार, उन्होंने संबंधित अधिकारी/थाने में अपनी शिकायत प्रस्तुत कर पूरे मामले से अवगत कराया था। शिकायत में उन्होंने संबंधित व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाते हुए उचित जांच और कार्रवाई की मांग की थी। उनका कहना है कि शिकायत दिए हुए लगभग 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। पीड़िता का कहना है कि यदि किसी महिला, वह भी कानून की जानकारी रखने वाली अधिवक्ता, द्वारा शिकायत प्रस्तुत की जाती है तो मामले की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा रहती है। लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। महिला अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि घटनाक्रम के चलते वह मानसिक रूप से परेशान हैं। उनका कहना है कि लगातार तनाव की स्थिति उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को प्रभावित कर रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराने और यदि आरोप सही पाए जाएं तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता महिला अधिवक्ता मनीषा अहिरवार की द्वारा बताया गया है कि कार्रवाई न होने के कारण आरोपी के हौसले बुलंद हैं। महिला द्वारा बताया गया कि आरोपी आए दिन मोहल्ले गली में कहता फिरता है कि मेरा तुम कुछ नहीं कर पाओगी इस वजह से महिला मानसिक रूप से और ज्यादा प्रताड़ित हो रही है अब सवाल यह है कि शिकायत पर अब तक क्या जांच हुई, किन अधिकारियों ने मामले को देखा और कार्रवाई में देरी की वजह क्या है?

केवई नदी से रेत चोरी कर ले जा रहे थे, पुलिस ने दबोचा

ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 3 घन मीटर रेत जब्त

बिजुरी। केवई नदी के डोगरिया रामघाट से शासकीय रेत चोरी कर अवैध रूप से परिवहन करने के मामले में बिजुरी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित करीब 3 घन मीटर खनिज रेत जब्त की है। जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए और रेत की कीमत करीब 3 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार 6 अक्टूबर को बिजुरी पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बड़ी डोगरिया निवासी अमित कुमार श्रीवास्तव उर्फ कान्हा अपने ट्रैक्टर क्रमांक एमपी-18-एए-6405 से चालक अखिलेश सिंह गोंड के साथ केवई नदी के डोगरिया रामघाट से रेत लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने पल्लू क्रेशर के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद नदी की ओर से ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखाई दी। पुलिस को देखते ही उसमें सवार अमित कुमार श्रीवास्तव और चालक अखिलेश सिंह भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर अखिलेश सिंह गोंड,



उम्र 22 वर्ष, निवासी डोगरिया को पकड़ लिया। वहीं अमित कुमार श्रीवास्तव अंधेरे और खेत-झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। ट्रैक्टर-ट्रॉली की जांच में करीब 3 घन मीटर रेत लोड मिली। पुलिस ने रेत के परिवहन और वाहन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस दिया, लेकिन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पंचों की मौजूदगी में ट्रैक्टर-ट्रॉली और रेत जब्त कर ली गई। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू की और बाद में उसे बिजुरी क्षेत्र से पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ और पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में अमित कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ बिजुरी थाने में पहले भी रेत चोरी तथा रेत चोरी के दौरान मारपीट से संबंधित अपराध दर्ज होना सामने आया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी केवई नदी के डोगरिया घाट से रेत चोरी कर आसपास के गांवों और बिजुरी क्षेत्र में बिक्री करता था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2), 317(5), 3(5), 317(4) बीएनएस, धारा 4/21 खनिज अधिनियम तथा धारा 3/181, 130/177(3) मोटरयान अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक विपुल शुक्ला, आरक्षक विश्वजीत मिश्रा, अभिषेक शर्मा और चालक आरक्षक कर्मजीत सिंह की भूमिका रही।

आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश से तरबतर हुआ अमरकंटक

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में बुधवार, 7 अक्टूबर को दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली। दोपहर करीब 2:45 बजे तेज हवाओं, आंधी-तूफान, बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के साथ मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ, जो करीब एक घंटे तक जारी रहा। तेज बारिश से पूरी पवित्र नगरी अमरकंटक तरबतर हो उठी। इसके पूर्व सुबह से दोपहर करीब 2 बजे तक मौसम पूरी तरह साफ था और धूप खिली हुई थी। दोपहर बाद अचानक आसमान में काले घने बादल उमड़ आए और देखते ही देखते नीला आसमान बादलों की आगोश में समा गया। इसके साथ ही तेज हवाएं चलने लगीं तथा बादलों की तेज गर्जना और बिजली की चमक से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। कुछ ही देर में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सड़कें और खुले क्षेत्र पानी से सराबोर हो गए। अचानक बदले मौसम के कारण अमरकंटक पहुंचे पर्यटक, तीर्थयात्री और श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। बाजार एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास भी लोगों को बारिश



से बचने के लिए काफी देर तक रुकना पड़ा। लगातार करीब एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश के चलते तापमान में भी अचानक गिरावट दर्ज की गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। बारिश के बाद पवित्र नगरी का मौसम सुहावना हो गया तथा चारों ओर हरियाली और नमी का वातावरण दिखाई देने लगा। गौरतलब है कि अमरकंटक में पिछले करीब एक सप्ताह से बारिश नहीं हुई थी। पितृपक्ष के समापन के आसपास हुई इस तेज बारिश ने एक बार फिर मौसम का रुख बदल दिया। समाचार लिखे जाने तक क्षेत्र में रुक-रुककर वर्षा का क्रम जारी था।

नवरात्रि को लेकर कोतमा में बढ़ी रौनक अंतिम दौर में पंडाल और मंदिरों की सजावट

कोतमा। शक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्रि शुरू होने में अब महज तीन दिन शेष हैं। इसे लेकर कोतमा नगर में तैयारियां तेज हो गई हैं। नगर के प्रमुख देवी मंदिरों और विभिन्न दुर्गा पंडालों में निर्माण, साज-सज्जा और विद्युत सजावट का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। मां दुर्गा के स्वागत के लिए आयोजन समितियों के सदस्य और कारीगर दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं। नगर के प्रमुख चौराहों, कॉलोनियों और गली-मोहल्लों में इस बार भी आकर्षक दुर्गा पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर पंडालों का ढांचा तैयार हो चुका है और अब उनकी आंतरिक सजावट,



कलाकृतियों तथा विद्युत रोशनी का काम तेजी से चल रहा है। वहीं मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। रंग-रोगन और सजावट का काम भी अंतिम दौर में है। नवरात्रि को लेकर नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में साफ-सफाई और रंग-रोगन के बाद विशेष सजावट की जा रही है। शारदा काली मंदिर, पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, ठाकुर बाबा धाम, बूढ़ी माता मंदिर, गोहंडा स्थित काली मंदिर, गोबिंदा कॉलोनी दुर्गा मंदिर, लहसुई कैंप और संतोषी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर तैयारियां चल रही हैं। मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया जा रहा है। नवरात्रि की शुरुआत से पहले सभी तैयारियां पूरी करने के लिए पंडाल निर्माण से जुड़े कारीगर और आयोजन समितियों के युवा लगातार काम कर रहे हैं। कई स्थानों पर रात में भी विद्युत सजावट और पंडाल की फिनिशिंग का काम जारी है। आयोजन समितियों के अनुसार, तीन दिन बाद कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व की विधिवत शुरुआत होगी। आयोजन समितियां पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर भी व्यवस्थाएं कर रही हैं। दर्शन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने, आवागमन सुचारू रखने तथा श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। नवरात्रि शुरू होने से पहले ही पूरे नगर में भक्ति और उत्सव का माहौल दिखाई देने लगा है।

जमुना कॉलोनी में भालू की दस्तक से दहशत बिजली सुधारने पहुंचे कर्मचारी डरकर लौटे

रातभर अंधेरे में रहे कॉलोनीवासी, वन विभाग से भालू को नियंत्रित करने की मांग

बदरा/जमुना। जमुना कॉलोनी क्षेत्र में भालू के लगातार दिखाई देने से रहवासियों में दहशत का माहौल बना हुआ है रात के समय कॉलोनी में भालू की मौजूदगी का स्पष्ट वीडियो सामने आने के बाद लोगों की चिंता और बढ़ गई है वन्यजीव के डर से लोग घरों से निकलने में भी असहज महसूस कर रहे हैं। बताया गया कि रात के समय कॉलोनी की बिजली व्यवस्था में खराबी आने के बाद कालरी क्षेत्र के विद्युत कर्मचारी बिजली सुधारने के लिए मौके पर पहुंचे थे इसी दौरान कर्मचारियों को भालू दिखाई दिया भालू को सामने देखकर कर्मचारी घबरा गए और अपनी सुरक्षा को देखते हुए मौके से वापस लौट गए।

कर्मचारियों के वापस लौटने के कारण बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी और जमुना कॉलोनी के लोगों को रातभर अंधेरे में रहना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में भालू की



आवाजाही लगातार बनी हुई है रात में अंधेरे के बीच विद्युत लाइन सुधारने जाना कर्मचारियों के लिए भी जोखिम भरा हो गया है भालू के अचानक सामने आने से किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। यही कारण है कि विद्युत कर्मचारियों ने मौके पर जाने से परहेज किया। क्षेत्र में भालू की मौजूदगी का स्पष्ट वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भालू को देखा जा सकता है वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल और गहरा गया है रहवासियों ने वन विभाग से मांग की है कि तत्काल गश्ती दल तैनात कर भालू की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए तथा आवश्यक कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली की समस्या और भालू की दहशत के बीच जमुना कॉलोनीवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को तत्काल संयुक्त रूप से कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि किसी अप्रिय घटना को होने से पहले रोका जा सके।

खबर संक्षेप

जिजनौडी में स्वच्छता एवं वृद्धजन सम्मान कार्यक्रम

विजयराघवगढ़। सेवा ही मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत आदर्श ग्राम जिजनौडी में स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। राहत समर्पण सेवा समिति की सक्रिय सहभागिता से ग्राम जिजनौडी के यात्री प्रतीक्षालय परिसर की साफ सफाई की गई। इस दौरान ग्रामीणों को प्लास्टिक मुक्त ग्राम बनाने हेतु शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम में वृद्धजनों का सम्मान किया गया तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति जिजनौडी द्वारा सेवा संकल्प यात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण और समाज के प्रति सेवा एवं जिम्मेदारी की भावना का संदेश दिया गया।इस अवसर पर ग्राम सरपंच उमाकांत तिवारी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष विष्णुकांत तिवारी, पंचायत सहायक अधिकारी गजल शर्मा, ग्राम पटवारी श्रीमती नेहा गर्ग, राहत समर्पण सेवा समिति से शारदा प्रसाद साहू, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती काजल समदड़िया सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सोयाबीन उपार्जन हेतु 17 अक्टूबर तक होगा पंजीयन

कटनी। खरीफ वर्ष 2026 (विपणन वर्ष 2026-27) में भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन फसल के उपार्जन के लिए किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन किया जा रहा है। किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर निर्धारित है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले में सोयाबीन फसल के पंजीयन के लिए कटनी नगर तहसील के अंतर्गत विपणन सहकारी संस्था कटनी को पंजीयन संस्था निर्धारित किया गया है। समिति कार्यालय कटनी में किसानों का सोयाबीन फसल के लिए पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन का कार्य ई-उपार्जन पोर्टल पर शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

जुआ खेलते 3 पकड़ाए

कटनी। जुआ खेल रहे जुआरियों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना माधवनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि इमलिया रोड स्थित आम रास्ते पर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर तीन जुआरियों को घेराबंदी कर धर दबोचा।

"नशे से दूरी है जरूरी" युवाओं को नशामुक्त जीवन का संदेश

बिरसिंहपुर पाली। शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत "नशे से दूरी है जरूरी" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था।



कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का आह्वान किया। प्राचार्य ने कहा कि स्वस्थ एवं जागृत विवाह स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।इसके पश्चात डॉ. नरेश प्रसाद शुक्ला जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग शिक्षा, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीषा अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों को नशे से सदैव दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

बटली घाट पर भोर में छापा रेत के खेल में तीन वाहन जब्त

सोन नदी में अवैध उत्खनन की शिकायतों पर खनिज विभाग की दबिश; एक वाहन मौके से फरार, 330 घन मीटर अवैध रेत भी नष्ट



बुढ़ार। सोन नदी के बटली घाट पर अवैध रेत उत्खनन की शिकायतों के बाद खनिज विभाग ने बुधवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर के निर्देश एवं खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम ने सुबह करीब 5 बजे ग्राम जरवाही स्थित बटली घाट पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान रेत उत्खनन और वाहनों में रेत लोड किए जाने की स्थिति पाए जाने पर तीन वाहनों को जब्त कर थाना बुढ़ार की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया।

शिकायतों के बाद जागा विभाग, घाट पर पहुंची टीम

बताया गया कि बटली घाट से पिछले चार दिनों से अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को संज्ञान में लेकर खनिज विभाग की टीम ने तड़के घाट पर पहुंचकर जांच की। विभाग के अनुसार, मौके पर मजदूरों द्वारा रेत का उत्खनन किए जाने तथा वाहनों में रेत लोड किए जाने की स्थिति मिली। कार्रवाई के दौरान MP18ZD7026, MP18GA4878 एवं MP18ZH4734 वाहनों को जब्त किया गया। विभाग के अनुसार, इनके वाहन स्वामी क्रमशः पवन साहू, प्रकाश साहू एवं सागर कुशवाहा, निवासी जरवाही बताए गए हैं।

टीम को देखते ही एक वाहन फरार

कार्रवाई के बीच एक वाहन जांच दल को देखकर मौके से निकल गया। विभाग के अनुसार, फरार वाहन के मालिक के रूप में विक्की यादव पिता किशोर यादव, निवासी जरवाही का नाम सामने आया है। उसके विरुद्ध पृथक प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध अवैध खनन एवं परिवहन से संबंधित प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की बात कही गई है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर को खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तहसील जैतपुर के ग्राम कमता और लुकामपुर में भी कार्रवाई की। विभाग के अनुसार, कमता में 150 घन मीटर तथा लुकामपुर में तीन स्थानों पर कुल 180 घन मीटर अवैध रूप से भंडारित रेत चिन्हित की गई।जेसीबी की मदद से कुल 330 घन मीटर रेत के अवैध भंडारण का विनिष्टीकरण कराया गया।

रेत कारोबार पर प्रशासन की सख्ती का दावा

बटली घाट की कार्रवाई और जैतपुर क्षेत्र में अवैध रेत भंडारण के विनिष्टीकरण से प्रशासन ने जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई तेज किए जाने का संकेत दिया है। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि जब्त वाहनों और संबंधित प्रकरणों में आगे क्या कार्रवाई होती है।

जनसमस्याओं पर प्रशासन की चुप्पी के खिलाफ ब्लाक कांग्रेस ब्यौहारी का हल्लाबोल

9 अक्टूबर को विधायक बंगले का घेराव, ब्यौहारी में गरमा गया सियासी माहौल



ब्यौहारी। विधानसभा क्षेत्र 83 ब्यौहारी की विभिन्न जनसमस्याओं और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी के अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी 'पिंटू' ने कलेक्टर शहडोल को पत्र सौंपकर आरोप लगाया है कि जनसमस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन को कई बार शिकायत एवं ज्ञापन दिए जाने के बावजूद समस्याओं के निराकरण की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस का कहना है कि लगातार शिकायतों और ज्ञापनों के बावजूद जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है इसी के विरोध में कांग्रेस द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे विधानसभा क्षेत्र 83 के विधायक शरद कोल के कार्यालय/बंगले का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी 'पिंटू' ने कहा कि जनता की समस्याओं पर अब चुप नहीं बैठा जाएगा। क्षेत्र की जनता सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, रोजगार सहित विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है और बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी यदि जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर जनता की आवाज बुलन्द करेगी। सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू ने स्पष्ट कहा है कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। 9 अक्टूबर को होने वाले इस घेराव-प्रदर्शन को लेकर ब्यौहारी की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बहोरीबंद में कराया गया गोलियों का सेवन

बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल गोली कृमि संक्रमण से विकास होता है बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद



शिशु स्वास्थ्य पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ मंगलवार को बहोरीबंद विकासखण्ड मैं किया गया।जहां एक से 19 वर्ष तक के छात्र- छात्राओं को एल्बेंडाजोल (चबाने वाली मीठी गोली) 400 ग्राम का उम्र के अनुसार सेवन कराया गया।विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत महावीर उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहोरीबंद में की गईं। इस दौरान बीएमओ डॉ अनुराग शुक्ला, बीसीएम डॉ राबिन गुप्ता, प्राचार्य महेंद्र राय, सरपंच प्रतिनिधि ब्रजेश गुप्ता, सुपरवाइजर रविंद्र गर्ग, मनीष जैन उपस्थित रहे जहां शिक्षकों ने भी बच्चों को एल्बेंडाजोल का सेवन बच्चों को कराया। बीएमओ डॉ अनुराग शुक्ला ने कहा कि बच्चों में कृमि का संक्रमण व्यक्तिगत अस्वच्छता ओर संक्रमित मिट्टी के संपर्क से होता है। कृमि संक्रमण से बच्चों में शारीरिक एवं बौध्दिक विकास मैं बाधित होता है।जीवन मे स्वच्छता का बहुत महत्व है।कृमि के कारण पेट मे दर्द,दस्त, उल्टी,कमजोरी,भूख नही लगने जैसे लक्षण बच्चों मैं हो सकते है। शौचालय से आने के बाद ओर खाना खाने से पहले साबुन-पानी से हाथ धोना चाहिए।फल व सब्जियों को साफ पानी से धोकर खाना चाहिए। एल्बेंडाजोल की गोली से कृमि का नाश होता है। बीपीएम अरुण शुक्ला ने बताया कि अभियान के अंतर्गत एक से 19 वर्ष तक के सभी विद्यार्थियों एवं किशोर- किशोरियों को उम्र के अनुसार एल्बेंडाजोल चबाने वाली मीठी गोली 400 ग्राम का सेवन शासकीय व अनुदान प्राप्त शालाओं,छात्रावासों, प्राइवेट स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से कराया जायेगा। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 20 से 49 वर्ष की प्रजनन आयुवर्ग की महिलाओं (गर्भवती महिलाओ को छोडकर) एवं छूटे हुये बच्चों को मॉपअप के दौरान सेवन कराया जायेगा। बहोरीबंद विकासखण्ड में एक वर्ष से 19 वर्ष तक के 81 हजार बच्चों, छात्र- छात्राओं, किशोर एवं किशोरियों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य रखा गया है।



मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए लगाए जा रहे विशेष शिविर

8 एवं 9 अक्टूबर को भी मतदान केन्द्रों पर लगेंगे विशेष शिविर



उमरिया। जिले के दोनो विधानसभा क्षेत्रों बांधवगढ़, मानपुर के मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र मतदाताओं, नवीन मतदाताओं युवाओं के नाम जोडने के लिए शिविर का आयोजन प्रारंभ किया गया । आज 7 अक्टूबर को विशेष शिविर में बीएलओं व्दारा नवीन मतदाताओ के नाम तथा छूटे हुए मतदाताओ के नाम मतदाता सूची मे जोडने की क र्यवाही की गई। उन्होंने सूची का परीक्षण कर छूटे हुए पात्र मतदाताओ की पहचान कर मतदाता सूची में नाम जोडने की कार्यवाही सुनिश्चित की । आगामी 8 व 9 अक्टूबर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मतदान केन्द्र स्तर पर आयोजित इन शिविरों में बीएलओ द्वारा पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही रात्रि आश्रय स्थलो, श्रमिक बस्तियों एवं बेघर व वंचित व्यक्तियों के नाम भी नामावली में सम्मिलित किए जा रहे है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। बीएलओ द्वारा अपने-अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र में पात्र मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। संबंधित आरओ एवं एआरओ द्वारा शिविरों तथा मतदाता सूची में नाम जोडने की प्रक्रिया की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है।

घोषणा पत्र भरने की आवश्यकता नहीं

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए किसी प्रकार का घोषणा पत्र भरने की आवश्यकता नहीं है। पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। नवीन युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए महाविद्यालयों में भी शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। महाविद्यालयों में आयोजित शिविरों में युवाओं में मतदाता बनने को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। छात्र-छात्राएं मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर आवेदन कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिए हैं कि 8 एवं 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाले विशेष शिविरों का प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक पात्र मतदाता को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर मिले।

सेवा ज्योति यात्रा के तहत विकसित भारत संकल्प सभा का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करनें में सभी सहभागी बनें: विधायक



प्रधानमंत्री के जन सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुई सेवा संकल्प यात्रा



उमरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के तहत कृषि उपज मंडी प्रांगण में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनता का आशीर्वाद और विश्वास मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं इस बात के लिए देश के जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उसने मुझे लगातार 25 वर्षों तक जनसेवा का अवसर दिया। मेरे लिए जनता ईश्वर का रूप है। पिछले 25 वर्षों की जनसेवा का अनुभव मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह मुझे हर दम कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के विश्वास ने मुझे बड़े संकट में धैर्य रखने और कठिन परिस्थितियों में दिन-रात देश की सेवा करने की प्रेरणा दी है। इसी के कारण राष्ट्र की सामूहिक चेतना ने कोरोना जैसे कठिन काल का सामना किया। हमारा देश वैदिक काल से लेकर विवेकानंद जी तक वैचारिक यात्रा और सांस्कृतिक मूल्यों का वाहक रहा है। हमने पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाया है। आज का दिन देश के विकास के संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन है। देश को 2047 तक विकसित बनाने, विश्व की टॉप-3 इकोनॉमी बनाने, ओलंपिक खेलों के आयोजन, देश को ग्लोबल हब बनाने और चंद्रमा में भारतीय के कदम रखने के संकल्प का आज दिन है। अभी पूरी दुनिया में देश के एक पायलट की बहादुरी की चर्चा हो रही है। एक दिन ऐसा भी होगा जब पूरी दुनिया मेड इन इंडिया एरोप्लेन की चर्चा करेगी। जिला मुख्यालय उमरिया के कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत को 2047 तक विकसित भारत बनानें का लक्ष्य निश्चित किया है। उनके इस लक्ष्य को पूरा करनें के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है । हम सबको देश के विकास में अपनी भूमिका का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि गांव गांव जाकर अलख जगाकर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को सहभागी होना होगा।

इस अवसर पर विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के सेवा काल के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के माध्यम से जन सेवा , जन भागीदारी एवं शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संदेश निहित है। कार्यक्रमों का उददेश्य है कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से नागरिको को जोडने के साथ ही विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यक्रम को संभाग प्रभारी श्री गौरव सिरौठिया ने भी संबोधित किया। आसुतोष अग्रवाल ने कार्यक्रम के उददेश्य की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया । सेवा संकल्प सभा का वंदेमातरम के साथ शुभारंभ हुआ। इस दौरान उपस्थित जनो को विकसित भारत शपथ दिलाई गई। सेवा संकल्प सभा के उपरांत कार्यक्रम स्थल सेवा संकल्प ज्योति को रथ में स्थापित कर शहर के विभिन्न मार्गो में भ्रमण कराया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जेल में नशा मुक्ति कार्यक्रम संपन्न



उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, व्दारा जिला जेल में विशेष नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित मद्य निषेध सप्ताह के तहत बंदियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और समाज की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान समस्त बंदियों ने मद्य निषेध (नशा न करने) की शपथ ली । इस अवसर पर जेलर , उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को, शिवशंकर कोल, मो. शारिब, रमन विश्वकर्मा, प्रमोद मिश्रा , सारांश तिवारी, कमलेश पटेल, संतोष त्रिपाठी, अनुराग त्रिपाठी सहित जेल का स्टाफ उपस्थित रहा।

खबर संक्षेप

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अंचल को दूसरी बार उपलब्ध कराई एयर एंबुलेंस सुविधा



अनूपपुर। संकट की घड़ी में एक बार फिर मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए अनूपपुर जिले के जमुना कॉलोनी निवासी कुमारी आंचल शुक्ला पिता नरेंद्र शुक्ला को एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई। आंचल शुक्ला का वर्ष 2018 में बेंगलुरु में हार्ट ट्रांसप्लांट हुआ था। उनके उपचार में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के प्रयास महत्वपूर्ण रहे थे। हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद से आंचल का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार बेंगलुरु के विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है। कुछ समय पूर्व अचानक तबीयत बिगड़ने पर भी उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने तत्काल एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें उपचार के लिए बेंगलुरु भेजने में मदद की थी। इसी क्रम में 6 अक्टूबर 2026 को आंचल की तबीयत दोबारा बिगड़ने और हार्ट से संबंधित गंभीर समस्या की जानकारी उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को मिली। उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए आंचल के लिए दूसरी बार एयर एंबुलेंस की व्यवस्था कराई। आंचल को रीवा से एयर एंबुलेंस के माध्यम से बेंगलुरु भेजा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जा रहा है।

उन्नयन के नाम पर बढ़ा अस्पताल का दर्जा, मरीजों को अब भी अधूरी सुविधाओं का सहारा

न पूरी लैब, न एक्स-रे की सुविधा, आधी रात रेफर मरीज को लेकर निकली 108 रास्ते में खराब

अमरकंटक। कागजों में अस्पताल का दर्जा बढ़ गया, लेकिन जमीन पर मरीजों की परेशानी कम नहीं हुई। अमरकंटक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत किए जाने के बाद उम्मीद थी कि यहां इलाज और जांच की सुविधाएं मजबूत होंगी, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि आज भी कई जरूरी सुविधाएं अधूरी हैं। हालत यह है कि गंभीर मरीज को बाहर रेफर किया जाए तो रास्ते में एंबुलेंस भी साथ छोड़ दे। 6 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे सामने आई घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। अमरकंटक स्वास्थ्य केंद्र से अनूपपुर रेफर किए गए मरीज को लेकर जा रही 108 एंबुलेंस रास्ते में खराब हो गई। वाहन खराब होने के बाद मरीज और परिजनों को परेशानी उठानी पड़ी और मरीज को वापस अमरकंटक लाना पड़ा।





आधी रात में एंबुलेंस बंद, किसकी जिम्मेदारी?

यह कोई सामान्य वाहन खराब होने की घटना नहीं है। एंबुलेंस में मरीज जिंदगी बचाने की उम्मीद लेकर बैठता है। खासकर तब, जब डॉक्टर उसे बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर चुके हों। ऐसे समय में यदि एंबुलेंस ही रास्ते में जवाब दे दे तो मरीज के इलाज में हुई देरी की जिम्मेदारी कौन लेगा? अमरकंटक पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्र में आता है। यहां से बड़े अस्पताल तक पहुंचने में पहले ही समय लगता है। ऐसे में रास्ते में एंबुलेंस खराब होना मरीज के लिए खतरे को और बढ़ा सकता है। सवाल यह है कि क्या एंबुलेंस को मरीज लेकर निकलने से पहले पूरी तरह जांचा जाता है? क्या खराब वाहन के बदले तत्काल दूसरी एंबुलेंस की व्यवस्था है।

अस्पताल का दर्जा बढ़ा, सुविधा कहां ?

स्थानीय लोगों का सीधा सवाल है जब अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया तो सुविधाएं कहां बढ़ीं? अस्पताल में लैब की सभी जरूरी जांच पूरी तरह उपलब्ध नहीं हैं। एक्स-रे की सुविधा भी नहीं है। इसका सीधा मतलब है कि मरीज को जांच के लिए बाहर जाना पड़ता है। गरीब और दूर-दराज के मरीज के लिए यह अतिरिक्त खर्च और परेशानी है। गंभीर मरीज के मामले में परेशानी और बढ़ जाती है। पहले जांच के लिए बाहर जाओ, फिर इलाज की सुविधा नहीं मिली तो दूसरे अस्पताल के लिए रेफर हो जाओ और ऊपर से रास्ते में एंबुलेंस खराब हो जाए आखिर मरीज जाए तो जाए कहां।

कोई साधारण गांव-कस्बा नहीं अमरकंटक

अमरकंटक मां नर्मदा की उद्गम स्थली है। देश-प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। पर्यटकों की भी लगातार आवाजाही रहती है। इसके बावजूद यहां ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का होना, जिसमें जरूरी जांच तक उपलब्ध न हो और रेफर मरीज को ले जाने वाली एंबुलेंस बीच रास्ते में खड़ी हो जाए, व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। यदि किसी श्रद्धालु या पर्यटक की रात में तबीयत बिगड़ जाए और उसे तत्काल बड़े अस्पताल ले जाना पड़े, तो क्या मौजूदा व्यवस्था उसके लिए पर्याप्त है?

जिम्मेदार कौन?

सवाल सिर्फ 108 एंबुलेंस के खराब होने का नहीं है। असली सवाल पूरी व्यवस्था का है। अस्पताल उन्नत किया गया तो उसके मुताबिक सुविधाएं क्यों नहीं बढ़ीं? लैब की सभी जरूरी जांच अब तक क्यों शुरू नहीं हुईं? एक्स-रे की सुविधा क्यों नहीं है? रेफर मरीज के लिए भरोसेमंद एंबुलेंस की स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं है? अगर एंबुलेंस रास्ते में खराब हो जाए तो मरीज को तुरंत दूसरी एंबुलेंस कौन देगा? स्वास्थ्य विभाग को इन सवालों का जवाब देना होगा। सिर्फ अस्पताल का दर्जा बढ़ा देने से स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत नहीं होती। मरीज को इलाज, जांच और समय पर अस्पताल पहुंचाने की सुविधा चाहिए। अमरकंटक के लोगों की मांग अब साफ है कागजों में उन्नयन नहीं, जमीन पर सुविधा चाहिए। अस्पताल में जरूरी जांच, एक्स-रे, पर्याप्त स्टाफ, दवाइयां और उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही ऐसी स्थायी एंबुलेंस हो जो किसी भी वक्त मरीज को सुरक्षित अस्पताल पहुंचा सके। क्योंकि बीमारी और हादसा सरकारी दफ्तर के समय देखकर नहीं आते। मरीज को अगर रात 1 बजे अस्पताल जाना पड़ेगा, तो व्यवस्था भी रात 1 बजे ही खड़ी मिलनी चाहिए।

आमाडांड रोड पर दर्दनाक हादसा, 12वीं के छात्र की मौके पर मौत

पिकअप से टकराई बाइक, हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम



बदरा/जमुना। आमाडांड रोड से लगे फुलवारी टोला में आज सुबह करीब 10 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय 12वीं कक्षा के छात्र की मौके पर ही मौत हो गई मृतक की पहचान ग्राम हर्री निवासी ललित केवट, पिता बृजेश केवट के रूप में हुई है घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जानकारी के अनुसार ललित केवट मलगा हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12वीं में अध्ययनरत था वह सुबह अपने ग्राम हर्री से स्कूल जाने के लिए बाइक से निकला था बताया जा रहा है कि बाइक पर तीन युवक सवार थे इसी दौरान आमाडांड रोड के फुलवारी टोला के पास हादसा हो गया। घटनास्थल से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाइक के आगे एक पिकअप वाहन चल रहा था इसी दौरान सामने से एक टेलर वाहन के अचानक आ जाने के कारण पिकअप चालक ने वाहन की गति धीमी कर दी पीछे से आ रही बाइक पिकअप वाहन से जा टकराई टक्कर के बाद बाइक सवार पिकअप वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में ललित केवट को गंभीर चोटें आईं और उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हादसे से आक्रोशित लोगों ने आमाडांड रोड पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा घटना की सूचना तत्काल रामनगर एवं बिजुरी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की पुलिस हादसे के कारणों तथा दुर्घटना में शामिल वाहनों के संबंध में जांच कर रही है। 18 वर्षीय छात्र की सड़क हादसे में हुई मौत से ग्राम हर्री सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे स्टेशन के बाहरी परिसर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण की मांग



अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद दीपक जयशंकर शुक्ला ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र भेजकर अनूपपुर रेलवे स्टेशन के बाहरी परिसर में सार्वजनिक सुलभ शौचालय निर्माण एवं आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की मांग की है। पार्षद ने पत्र के माध्यम से बताया कि अनूपपुर रेलवे स्टेशन के बाहरी परिसर में यात्रियों एवं आम नागरिकों के लिए पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके कारण स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों, स्थानीय नागरिकों, ऑटो एवं टैक्सी चालकों सहित अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि शौचालय की सुविधा नहीं होने के कारण कई लोग स्टेशन के बाहर सड़क किनारे खुले में शौच करने के लिए मजबूर हैं। इससे आसपास गंदगी, दुर्गंध एवं अस्वच्छ वातावरण की स्थिति निर्मित हो रही है, जो स्वच्छता और जनस्वास्थ्य की दृष्टि से समस्या है। दीपक जयशंकर शुक्ला ने कहा कि अनूपपुर रेलवे स्टेशन जिले का महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में स्टेशन के बाहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सुलभ शौचालय की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। उन्होंने डीआरएम से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को स्टेशन के बाहरी परिसर का स्थल निरीक्षण कराने तथा यात्रियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय के निर्माण की आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं। साथ ही स्थायी शौचालय का निर्माण होने तक अस्थायी शौचालय एवं नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था कराने का भी आग्रह किया गया है।

जिला मुख्यालय में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम

अनूपपुर में सेवा ज्योति कलश यात्रा से गूंजा विकसित भारत का संकल्प



अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आज को 'सेवा से संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'विकसित भारत संकल्प सभा' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'सेवा ज्योति कलश' कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन से हुआ। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को देखा और सुना। कार्यक्रम के दौरान संदीप शिवहरे की टीम ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मनमोहक प्रस्तुति दी। देशभक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने उपस्थित नागरिकों को 'विकसित भारत-2047' के निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाया। इसके पश्चात राज्य मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए निकलने वाली 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित होने के बाद जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए नागरिक अपनी-अपनी सेवा ज्योति के साथ संबंधित क्षेत्रों के लिए रवाना हुए। यात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में नागरिक सहभागिता करेंगे। यात्रा में सबसे आगे रथ रहेगा, जिसके पीछे एक नागरिक प्रज्ज्वलित मशाल लेकर चलेगा। यह यात्रा सेवा, संकल्प और विकसित भारत के निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर बलबीर रमन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, संजय साहू सहित विभिन्न जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा जिलेभर से आए बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

बैठकें हर बार, निर्देश भी वही, कार्रवाई नहीं तो जिले में नियमों की धज्जियां क्यों?

नवरात्रि से पहले कोतमा में फिर शांति समिति की बैठक

कोतमा। नवरात्रि पर्व आते ही शांति समिति की बैठक, डीजे संचालकों और दुर्गा समितियों को नियमों की समझाइश और उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी यह सिलसिला हर वर्ष दोहराया जाता है। कोतमा में बुधवार को हुई शांति समिति की बैठक में भी प्रशासन ने रात 10 बजे के बाद डीजे पर रोक, तेज आवाज और फूहड़ गानों से परहेज, विसर्जन जुलूस में अनुशासन तथा नशे की हालत में हुड़दंग नहीं करने की हिदायत दी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब जिले में हर साल यही निर्देश दिए जाते हैं तो इसके बावजूद त्योहारों में नियमों की अनदेखी की स्थिति क्यों बनती है? प्रशासन का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीजे जब्त करने तक की चेतावनी दी गई है। ऐसे में इस बार फिर सवाल कार्रवाई की प्रभावशीलता को लेकर है। क्योंकि जब नियम तोड़ने वालों को कार्रवाई का डर नहीं रहता, तो बैठकों में दिए गए निर्देश महज औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

कोतमा से अनूपपुर तक एक ही कहानी

नवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान जिले के कोतमा, बिजुरी, अनूपपुर, जैतहरी, पुष्पराजगढ़ और अमरकंटक सहित अलग-अलग नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन होते हैं। हर वर्ष प्रशासन और पुलिस द्वारा समितियों के साथ बैठक कर



ध्वनि प्रदूषण, यातायात, बिजली, सुरक्षा और जुलूस की व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश दिए जाते हैं। इसके बावजूद त्योहार के दौरान तेज आवाज में डीजे, देर रात तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल, जुलूस में आपत्तिजनक या फूहड़ गानों का चलना और नशे में हुड़दंग जैसी शिकायतें सामने आने की स्थिति बनती है। ऐसे में सवाल सिर्फ नियम बनाने का नहीं, बल्कि नियमों को लागू कराने की व्यवस्था का है।

कार्रवाई नहीं तो निर्देशों का असर कैसे?

प्रशासन द्वारा हर बार स्पष्ट किया जाता है कि बिना अनुमति डीजे नहीं बजेगा और रात 10 बजे के बाद डीजे पूरी तरह बंद रहेगा। इसके बावजूद यदि कहीं नियम टूटते हैं तो तत्काल कार्रवाई कौन करेगा और कितने मामलों में कार्रवाई की गई, इसका हिसाब भी सार्वजनिक होना चाहिए। विशेषकर विसर्जन जुलूसों के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि तेज आवाज, फूहड़ गाने या नशे में हुड़दंग की स्थिति बनती है तो यह निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। कार्रवाई का अभाव ही धीरे-धीरे नियमों की अनदेखी को सामान्य स्थिति में बदल देता है।

सिर्फ डीजे नहीं, यातायात और सफाई भी चुनौती

कोतमा की बैठक में बाजार में बेतरतीब वाहन खड़े होने से यातायात प्रभावित होने और सफाई व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई गई। समितियों को कचरा सड़क या खुले स्थान पर नहीं फेंकने के निर्देश दिए गए। सार्वजनिक स्थानों और सड़क किनारे मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध का पालन कराने की बात भी कही गई। यह समस्या केवल कोतमा तक सीमित नहीं है। जिले के प्रमुख बाजारों और धार्मिक स्थलों पर त्योहारों के दौरान भीड़ बढ़ने के साथ यातायात और सफाई व्यवस्था भी चुनौती बनती है। ऐसे में पहले से जारी निर्देशों की निगरानी और उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई जरूरी है।

इस बार सिर्फ समझाइश नहीं, कार्रवाई दिखेगी?

कोतमा की बैठक में तहसीलदार दशरथ सिंह ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति डीजे नहीं बजाया जाए और नियमों का उल्लंघन मिलने पर उपकरण जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब असली परीक्षा बैठक के बाद होगी। जिले में हर साल बैठक होती है, निर्देश जारी होते हैं और कार्रवाई की चेतावनी दी जाती है। इसके बावजूद यदि नियम टूटते हैं और कार्रवाई नहीं होती तो समस्या डीजे या समितियों की नहीं, बल्कि आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन की बन जाती है। नवरात्रि के दौरान इस बार निगाह इस बात पर रहेगी कि प्रशासन केवल समझाइश तक सीमित रहता है या नियम तोड़ने वालों पर वास्तव में कार्रवाई कर यह संदेश देता है कि शांति समिति की बैठक महज औपचारिकता नहीं, बल्कि नियमों के पालन की जवाबदेही तय करने का माध्यम है।

जैतहरी की 'लाडली बहना वाटिका' को प्रदेश स्तर पर मिली पहचान

नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने जताया आभार



अनूपपुर। सेवा, जनसहयोग और सामूहिक सहभागिता से किसी स्थान की तस्वीर किस तरह बदली जा सकती है, इसका सुंदर उदाहरण जैतहरी नगर की 'लाडली बहना वाटिका' बनकर सामने आई है। जनसहयोग से विकसित की गई इस वाटिका को अब प्रदेश स्तर पर पहचान मिली है। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा 'सेवा संकल्प अभियानदृसेवा मेरा योगदान' के तहत सोशल मीडिया पर जैतहरी की लाडली बहना वाटिका की पहले और अब की तस्वीर साझा कर इसके सकारात्मक बदलाव को प्रदर्शित किया गया है। प्रदेश स्तर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जैतहरी की इस पहल को स्थान मिलने से नगरवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल है। पहले जहां यह स्थान अव्यवस्थित और उपेक्षित नजर आता था, वहीं जनसहयोग एवं सामूहिक प्रयासों के बाद यहां स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित वातावरण तैयार किया गया है। वाटिका में हरियाली, साफ-सुथरा मार्ग, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं ने इसके स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। लाडली बहना वाटिका के विकास में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं नगर परिषद के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसका उद्देश्य केवल किसी एक स्थान का सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्थानों के प्रति जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करना भी है। आज यह स्थान स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने के साथ ही जनभागीदारी से विकास की प्रेरणादायक मिसाल बन रहा है।

नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने प्रदेश स्तर पर वाटिका को मिली पहचान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि जैतहरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग, स्नेह और सहभागिता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि "जैतहरी की लाडली बहना वाटिका को प्रदेश स्तर पर मिली पहचान हम सभी के लिए गर्व का विषय है। इस कार्य में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी नागरिकों का हृदय से धन्यवाद एवं साधुवाद। आप सभी के स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद से ही जैतहरी को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। भाजपा मध्यप्रदेश द्वारा साझा की गई तस्वीर में वाटिका की 'पहले' और 'अब' की स्थिति को दिखाया गया है।

तस्वीरें इस बात को स्पष्ट करती हैं कि जनसहयोग और सकारात्मक सोच के साथ किए गए प्रयासों से सार्वजनिक स्थानों का कायाकल्प किया जा सकता है। प्रदेश स्तर पर जैतहरी की इस पहल को प्रदर्शित किए जाने से नगरवासियों ने इसे जैतहरी के लिए गौरव का क्षण बताया है। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा कि भविष्य में भी नगर के विकास, स्वच्छता, हरियाली और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि जैतहरी को और अधिक सुंदर, स्वच्छ एवं व्यवस्थित नगर के रूप में विकसित किया जा सके।